बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को करें क्रियान्वित

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवगठित बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) में 36,000 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। यहां सीईओ व अन्य मानव संसाधन की तैनाती तत्काल कर दी जाए। यह प्रयास बुंदेलखंड के विकास को नई ऊंचाई देने वाला होगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों के लिए भूमि प्राथमिक आवश्यकता है। भूमि अधिग्रहण के लिए बीडा सहित विभिन्न प्राधिकरणों को धनराशि जारी की गई है। इनका उपयोग करते हुए लैंड बैंक का विस्तार करें। उन्होंने कहा, निवेशकों की आवश्यकता और प्रदेश हित का ध्यान रखते हुए औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के अधिसूचित क्षेत्रों में राजस्व संहिता की धारा 80 के तहत भूमि उपयोग परिवर्तन की अनुमति दिए जाने पर उचित निर्णय लिया जाए।

7.16 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव भूमि पूजन को तैयार

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के तय लक्ष्य 15 लाख करोड़ रुपये के सापेक्ष फिलहाल 7,16,491 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव भूमि पूजन के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि जीआइएस-23 के दौरान हुए एमओयू को धरातल पर उतारने की दिशा में हम निरंतर काम कर रहे हैं। निवेशकों की आवश्यकता के अनुसार भूमि आवंटन सहित अन्य प्रक्रियाओं को पूरा किया जा रहा है। जीआइएस में हस्ताक्षरित कुल 29,066 एमओयू में से 8,961 निवेशक भूमि पूजन के लिए तैयार है।

ललितपुर बल्क ड्रग पार्क से शोध व नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ललितपुर में बन रहा बल्क ड्रग पार्क शोध व नवाचार को भी बढ़ावा देगा। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) की 46 और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की 43 प्रयोगशालाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है। उच्च गुणवत्ता की सस्ती दवाएं, मेडिकल डिवाइस व अन्य चिकित्सा उपकरण बनाने के लिए यह एक साथ मिलकर शोध करेंगे और नवाचार को बढावा देंगे। प्रदेश को दवा व चिकित्सा उपकरण विनिर्माण का हब बनाने के लिए राज्य सरकार सभी जरूरी उपाय कर रही है, ताकि इस क्षेत्र में देश-दुनिया में प्रदेश अपनी धाक जमा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बल्क ड्रग पार्क को अंतरराष्ट्रीय स्तर मानकों के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए हैं, ताकि भारत ही नहीं 196 देशों के लिए यूपी से सस्ती दवाएं व मेडिकल डिवाइस इत्यादि उपलब्ध कराई जा सके। ऐसे में सीएसआइआर व डीआरडीओ को नालेज पार्टनर बनाया गया है। दोनों संस्थाओं के सहयोग से यहां पर उत्कृष्ट शोध व श्रेष्ठ नवाचार कर मेडिकल के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया जा सके।